भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

(खेल विभाग)

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1022

उत्तर देने की तारीख 29 जुलाई, 2024

7 श्रावण, 1946 (शक)

ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को बढ़ावा

1022. सुश्री इकरा चौधरी:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों की प्रतिभा को पोषित करने, विशेषकर उन्हें उत्कृष्ट एथलीट बनाने के लिए कोई उपाय किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए कितने स्थानों पर रेसट्रैक और संबंधित अवसंरचनाओं का विकास किया गया है; और

(ग) सरकार द्वारा उभरते हुए नए एथलीटों और अन्य खेल प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं अथवा किए जाने की संभावना है?

उत्तर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री

(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को निखारने, विशेषकर उन्हें बेहतरीन खिलाड़ी बनाने और खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए रेसट्रैक और संबंधित अवसंरचनाओं के निर्माण सहित खेलों के विकास की जिम्मेदारी मुख्य रूप से राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों की है। केंद्र सरकार उनके प्रयासों में सहायता करती है। तथापि, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय नए उभरते खिलाड़ियों और अन्य खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए उत्तर प्रदेश सहित संपूर्ण देश में खेलों को बढ़ावा देने के लिए निम्नलिखित स्कीमों को कार्यान्वित करता है:

(i) "खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम" स्कीम; (ii) राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता; (iii) अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के विजेताओं और उनके कोचों के लिए विशेष पुरस्कार; (iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार; (v) मेधावी खिलाड़ियों के लिए पेंशन; (vi) पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण स्कीम; (vii) राष्ट्रीय खेल विकास निधि; और (viii) भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्र।

उपरोक्त स्कीमों का ब्यौरा इस मंत्रालय और भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइटों पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

(ख) इस मंत्रालय की खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य में दो एथलेटिक ट्रैक सहित तीस खेल अवसंरचनात्मक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

(ग) नए और उभरते एथलीटों तथा अन्य खेल प्रतिभाओं को पोषित करने के लिए मंत्रालय द्वारा कई पहलें की गई हैं। ऐसी ही एक पहल है खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन (कीर्ति), जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक परीक्षण पद्धतियों के माध्यम से 9 से 18 वर्ष की आयु के प्रतिभाशाली युवाओं की पहचान करना है।

इसके अतिरिक्त, खेलो इंडिया स्कीम के तहत, खेलो इंडिया एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाली मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रशिक्षण और एक्सपोज़र के अवसर मिलते हैं। ये एथलीट खेलो इंडिया गेम्स में भाग लेते हैं, जो अंतरराष्ट्रीय तकनीकी मानकों के अनुकूल होते हैं। वे विभिन्न मंचों पर राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, अपने कौशल को बढ़ाते हैं और भविष्य के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए देश के प्रतिभा पूल को मजबूत करते हैं।

****